

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 26, ईसा। 54-55

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 26, यशायाह अध्याय 54 और 55 है।

खैर, आपको यहां देखकर अच्छा लगा। हो सकता है कि आप बाहर लॉन में घास काट रहे हों और आपने बाइबल अध्ययन के लिए आने का फैसला किया हो। यह तो बहुत ही अच्छी बात है। मैं बहुत, बहुत प्रभावित हूं। धन्यवाद।

आइए प्रार्थना से शुरुआत करें। धन्यवाद, पिता, इसके लिए, आपके शब्दों को समझने का एक और मौका।

इस कमरे में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति के लिए धन्यवाद। हमारे व्यक्तित्वों में, हमारी रुचियों में महान विविधता के लिए धन्यवाद, और दूसरी ओर, आपके शब्दों के माध्यम से आपको जानने की हमारी इच्छा में महान एकरूपता के लिए धन्यवाद। और इसलिए आज शाम हमारी यही प्रार्थना है, कि आप वास्तव में अपने आप को हमारे सामने प्रकट करेंगे।

जब हम शब्दों और वाक्य-विन्यास, वाक्य संरचना, अनुच्छेदों, उन सभी चीजों के बारे में सोचते हैं जिन्हें आपने स्वयं को प्रकट करने के लिए उपयोग करना चुना है तो हमारी सहायता करें। हमें उनके आर-पार और उनके पार आपके चेहरे तक देखने में मदद करें। हमें आपकी चुनौती को समझने में मदद करें, क्योंकि हम मानते हैं कि हम उन लोगों से अलग नहीं हैं जिन्हें आप लिख रहे थे।

कभी-कभी हमारे लिए थोड़ा श्रेष्ठ महसूस करना आसान होता है, लेकिन वास्तव में, अपने गहरे दिल में, हम जानते हैं कि यह सच नहीं है। हम वे हैं और वे हम हैं, और हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें चुनौतियों को सुनने, सांत्वना सुनने, प्रोत्साहन सुनने, दर्शन देखने में मदद करेंगे, और हम आपके नाम पर आपको धन्यवाद देंगे। तथास्तु।

ठीक है, हम इस उपखंड के अंतिम भाग को देख रहे हैं जिसे मैंने अनुग्रह साधन ऑफ सर्वेंटहुड कहा है। हमने अध्याय 40 से 48 में देखा कि कैसे अनुग्रह दासत्व का उद्देश्य था। जैसे ही हम अध्याय 39 के अंत में पहुंचे, हमने माना कि मामला बिना किसी संदेह के साबित हो चुका है, भगवान पर भरोसा किया जा सकता है।

लेकिन फिर सवाल यह है कि हमें हिजकिय्याह की गलती को न दोहराने के लिए क्या प्रेरित करेगा, विश्वास के जीवन के बजाय एक बार का भरोसा, और हमने कहा कि भगवान ने अपने लोगों को बिना शर्त अनुग्रह दिया, यहां तक कि कैद में भी, एक होगा उस पर भरोसा करने की प्रेरणा। लेकिन फिर हमने सवाल पूछा, लेकिन कैसे? परमेश्वर कैसे उनके पाप को नज़रअंदाज़ कर सकता है और ऐसा व्यवहार कर सकता है जैसे कि उन्होंने कुछ भी नहीं किया है और कह सकता है, तुम मेरे चुने हुए सेवक हो? और जो उत्तर हम यहां इस अनुभाग में देख रहे हैं वह

नौकर है। जैसा कि हमने 49 में, 50 में, और फिर पिछले सप्ताह, विशेष रूप से अध्याय 53 में देखा, सेवक हमारे पापों को माफ करना संभव बनाता है और भगवान इस मुफ्त अनुग्रह, इस अयोग्य अनुग्रह को हम तक पहुंचाते हैं।

अब आज रात, हम उस खंड के निष्कर्ष को देख रहे हैं, अध्याय 54 और 55। अध्याय 54 शुरू होता है, गाओ, हे बांझ जो सहन नहीं कर सकी। हे तुम जो कभी प्रसव पीड़ा में नहीं पड़े हो, गाओ और ऊंचे स्वर से रोओ।

क्योंकि उजाड़ की सन्तान ब्याही हुई के सन्तान से अधिक होगी। अपने तंबू का स्थान बड़ा करो. तुम्हारी बस्तियों के परदे फैले रहें।

पीछे मत हटो. अपनी डोरियों को लंबा करें. अपना दांव मजबूत करें.

और फिर हम अध्याय 55, पद 1 पर जाते हैं। हे सब प्यासे लोगों, जिनके पास धन न हो, जल के पास आओ। आओ खरीदो और खाओ. आओ बिना पैसे, बिना दाम दाखमधु और दूध मोल लें।

तो, यहां पहला प्रश्न यह है कि, 49 से 52, 12 में, प्रमुख नोट यह विश्वास करने के लिए यहोवा का प्रोत्साहन था कि वह उन्हें वितरित करने जा रहा था। यहां और शेष अध्याय 54 और 55 में प्रमुख टिप्पणी क्या है? आपको वितरित कर दिया गया है. अब यह भाव, प्रत्याशा अब निमंत्रण में बदल गया है।

आओ और इसमें भाग लो जो तुम्हारा है। तो फिर, हम जो देखते हैं वह 49 से 52, 12 में यह प्रत्याशा है, और फिर 52, 13 से 53, 12 में रहस्योद्घाटन है, और अब 54 से 55 में निमंत्रण है। तो, यह अजीब कविता है जिसे हमने आखिरी बार देखा था सप्ताह इस पूरी चीज़ के केंद्र में है।

प्रत्याशा को निमंत्रण में कैसे बदला जा सकता है? और इसका उत्तर नौकर, पूंजी एस, ने जो किया है उसके कारण है। अब, 54, 1 से 10 तक के इन छंदों में भगवान क्या वादा कर रहे हैं? किस अलंकार का उपयोग किया गया है और इसका इस बात से क्या संबंध है कि सिय्योन ने पहले खुद को कैसे देखा था? फलदायी बनाम बांझपन। सही।

यदि आपको याद हो तो हमने कहा था कि उन पहले अध्यायों में कई स्थानों पर उसे एक विधवा के रूप में वर्णित किया गया है जिसके बच्चे मर चुके हैं। इसलिए, उसे अब और बच्चे पैदा करने की कोई उम्मीद नहीं है। अब उसमें एक बाँझ विधवा भी जोड़ दो।

मामला चाहे जो भी हो, भले ही वह दोबारा शादी कर ले, लेकिन उसके कोई और बच्चे नहीं हो सकते। और भगवान कहते हैं, नहीं, नहीं. उजाड़ की सन्तान उसके ब्याही हुई सन्तान से अधिक होगी।

श्लोक 3, तू विदेश में दायीं ओर, बायीं ओर फैलेगा। तेरे वंश के लोग अन्यजातियों के अधिकारी होंगे, और उजाड़ नगरों में बसेंगे। अब इसका निर्वासित लोगों के डर से क्या संबंध है? वे किस बात से डरते थे? हटाया जा रहा है.

बिल्कुल। एक संस्कृति के रूप में खत्म किये जाने, एक व्यक्ति के रूप में खत्म किये जाने के कारण, वे बस गायब हो जायेंगे। और याद रखें, इब्राहीम से परमेश्वर का क्या वादा था? दुनिया को आबाद करो.

तुम्हारे पास आकाश के तारों से भी अधिक बच्चे होंगे। तो यहां हम एक स्पष्ट रूप से असंगत स्थिति में हैं जहां भगवान ने ये अविश्वसनीय वादे किए हैं और स्थिति की वास्तविकताएं बिल्कुल विपरीत हैं। और यशायाह कहता है, नहीं, नहीं।

आपके बच्चे होने वाले हैं और वे बच्चे दुनिया भर में फैलेंगे। कभी-कभी हमें ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जहां सब कुछ असंभव लगता है और हमें बाइबल में ऐसी स्थितियों को याद रखने की ज़रूरत है जहां असंभव संभव हो जाता है। श्लोक 4 को देखें। क्या आपको याद है कि मैंने पुराने नियम में शर्म के बारे में आपसे कई बार क्या कहा है? शर्म किस बात की? आखिर शर्म की बात क्या है? हाँ।

हाँ। मुझे नहीं पता कि प्रश्न को बेहतर तरीके से कैसे वाक्यांशबद्ध किया जाए। आप तब लज्जित होते हैं जब जिस पर आपने भरोसा किया वह विफल हो जाता है।

तो, यह एक अद्भुत कुर्सी है। यह स्पष्ट रूप से सबसे अच्छी कुर्सी है जो मैंने कभी देखी है। मैं बस इतना जानता हूँ कि यह कुर्सी मुझे निराश नहीं करेगी और मैं उसमें गिर जाता हूँ और वह गिर जाती है।

और आप क्या करते हो हँसना। और बस। वही दुनिया है.

हाँ, तुमने अपने ईश्वर पर भरोसा किया और तुम्हारे ईश्वर ने तुम्हें विफल कर दिया। आपने अपने भगवान पर भरोसा किया और आप निर्वासन में हैं, है ना? भगवान यहाँ पद 4 में क्या कहते हैं? आपको शर्म नहीं आएगी. आप अतीत की, अपनी युवावस्था की, अपनी विधवापन की, अपने राष्ट्र और अपनी संपत्ति से वंचित होने की शर्म को भूल जायेंगे।

और फिर श्लोक 5 में, ईश्वर के लिए पाँच शब्द हैं। क्या रहे हैं? पहला क्या है? निर्माता. सर्वशक्तिमान प्रभु, जो वस्तुतः स्वर्ग की सेनाओं का स्वामी है।

आपके पति। और क्या? आपका उद्धारक. इस्राएल का पवित्र।

वह अलग है. हाँ। अब मुझे लगा कि यहाँ कोई छठा है।

यह सारी पृथ्वी का परमेश्वर है। क्या वह सही है? यह पुराने नेक्रो-शास्त्र की तरह है। मेरे हाथ में पूरी दुनिया है.

तो, अगर वह मेरा निर्माता है, तो मेरे लिए इसका क्या मतलब है? वह जानता है कि मैं कहाँ से आया हूँ। यदि वह स्वर्ग की सेनाओं का स्वामी है, तो मेरे लिए इसका क्या अर्थ है? उसे कोई हरा नहीं सकता. और अगर मैं उसका हूँ तो मुझे कोई हरा नहीं सकता.

पति। रक्षा करनेवाला। निकटतम बंधन.

जब हम ईश्वर के बारे में सोचते हैं तो यह बहुत महत्वपूर्ण है। हममें से बहुत से लोगों के लिए, ईश्वर के बारे में सोचने का प्राथमिक तरीका वह है जो स्वर्ग में बैठकर कह रहा है कि आप बेहतर कर सकते हैं। आप वास्तव में प्रयास नहीं कर रहे हैं, है ना? मेरे पास कुछ अन्य लोग भी हैं जो इस मामले में आपसे कहीं बेहतर हैं।

और आप किसी न्यायाधीश के साथ अपने आप को जोखिम में नहीं डालते। आप उससे उतना ही दूर रहें जितना आप रह सकें और बना सकें। वह तुम्हारा पति है.

हाँ। करने की कृपा करे। लेकिन यह भाषा किसी अविश्वासी से संवाद करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से बोलती है।

आपको वापस लाने का रास्ता ढूँढने के लिए. हाँ, डैन. हाँ। हाँ। उद्धारक का इस व्यक्ति के प्रति दायित्व है जो अब निराश्रित है।

मैं आपका निकटतम रिश्तेदार हूँ. मुझे यहां एक दायित्व मिला है। हाँ।

अच्छा। ओह हां। हाँ।

हाँ। इस्राएल का पवित्र। उसकी पूजा करनी है.

और इसका इन पहले वाले से क्या संबंध है? ठीक है। हम उसकी पूजा करते हैं क्योंकि वह यही है। वह योग्य है.

ये सिर्फ एक छोटे भगवान के छोटे गुण नहीं हैं। ये उस व्यक्ति के गुण हैं जो हर चीज़ से परे है, जिसने खुद को इज़राइल के लिए समर्पित कर दिया है।

टोनी चैन ने अभी-अभी इज़राइल के पवित्र पर निश्चित वक्तव्य लिखना समाप्त किया है। इसलिए, वह आपको इसके बारे में सब कुछ बता सकते हैं, लेकिन मैं मंच छोड़ने वाला नहीं हूँ। लेकिन उस पारलौकिक का यह विचार जो आसन्न है।

आसन्न नहीं. यानी अभी के बारे में. आसन्न का अर्थ है तुरंत उपस्थित होना।

और यदि बाइबल का कोई अनोखा धर्मशास्त्र है जो दुनिया में कहीं और नहीं पाया जाता है, तो वह यही है। सर्वोत्कृष्ट, वह जो हर चीज़ से बिल्कुल अलग है, उसने खुद को एक व्यक्ति के रूप में हमें सौंप दिया है। अरस्तू पारलौकिक की कल्पना कर सकता था, लेकिन निश्चित रूप से,

पारलौकिक संभवतः एक व्यक्ति नहीं हो सकता क्योंकि एक व्यक्ति उस चीज़ से प्रभावित होता है जिसे उन्होंने अस्तित्व में लाया है।

और ऐसा नहीं हो सका. वह अब उत्कृष्ट नहीं होगा. और पुराना नियम कहता है, हाँ, आप शायद सही हैं, लेकिन उत्कृष्ट व्यक्ति एक व्यक्ति है।

और फिर कुछ अर्थों में, मुझे लगता है कि यही अंतिम बात है, है ना? यदि ये सब बातें सत्य हैं, तो वह सचमुच सारी पृथ्वी का परमेश्वर है। उसने वह बनाया। उन्होंने इसे भुनाया.

उसने इससे शादी कर ली है. तो, यह स्पष्ट है कि भगवान एक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब श्लोक 7 और 8 को देखें। और वे हमें परमेश्वर के प्रेम और उसकी करुणा के विपरीत उसके क्रोध के बारे में क्या बताते हैं? बिल्कुल।

उनका गुस्सा अस्थायी है. लेकिन उनका प्यार और उनकी करुणा, मुझे लगता है कि मैंने मेल के साथ एक मुद्दा बना लिया है। यह बात मैंने वर्षों पहले किसी से सुनी थी, और तब से यह मेरे मन में बसी हुई है।

भगवान क्रोधित होते हैं, लेकिन वह प्रेम हैं। भगवान क्रोधित होते हैं, लेकिन वह प्रेम हैं। प्रेम उनके चरित्र का अनिवार्य गुण है, अपरिवर्तित और सदैव।

और ठीक इसलिए क्योंकि वह हमसे प्यार करता है, वह पागल हो जाता है। इससे उसे गुस्सा आता है कि जिनसे वह इतना प्यार करता है, वे अपने जीवन को इतनी बुरी तरह से भ्रष्ट कर सकते हैं। अगर वह हमसे प्यार नहीं करता, तो उसे नाराज़ होने की ज़रूरत नहीं होती।

एकदम सही। बिल्कुल माता-पिता की तरह. यदि आपको कोई परवाह नहीं है कि कोई क्या करता है, तो वे अपने जीवन को गड़बड़ कर देते हैं, आप बस यही कहते हैं, लेकिन यदि यह आपका बच्चा है तो अपने जीवन को गड़बड़ कर रहा है।

इसलिए, थोड़ी देर के लिए, मैंने तुम्हें छोड़ दिया, लेकिन बड़ी दया के साथ मैं तुम्हें इकट्ठा करूंगा। एक क्षण के लिए अति क्रोध में आकर मैं ने अपना मुख तुझ से छिपा लिया, परन्तु अनन्त झिझक के साथ मैं तुझ पर दया करूंगा, तेरे उद्धारकर्ता यहोवा का यही वचन है। गुस्सा।

तो, आइए भजन 30, श्लोक 5 की ओर वापस जाएँ। एक श्लोक जिसे हममें से कई लोगों ने याद कर लिया है, और हम में से कई लोगों को याद रखना चाहिए। उनका गुस्सा तो बस एक पल का होता है, उनका एहसान उम्र भर का होता है। रोने से रात हो सकती है, लेकिन खुशी सुबह आती है।

वो अच्छी खबर है। वो अच्छी खबर है। अब, करुणा.

यदि आप कई अलग-अलग अंग्रेजी अनुवादों को देखें, तो आपको कई अलग-अलग शब्द मिलेंगे जिनका उपयोग हिब्रू शब्द का अनुवाद करने के लिए किया जाता है। किंग जेम्स संस्करण में मूल

रूप से दया, कोमलता, उपकार और करुणा का उपयोग किया गया था। वे सभी शब्द हमें परमेश्वर और हमारे प्रति परमेश्वर की भावनाओं के बारे में क्या बताते हैं? वह गहराई से परवाह करता है।

वह गहराई से परवाह करता है। वह हमारी भावनाओं में प्रवेश कर जाता है। वह वही महसूस करता है जो हम महसूस करते हैं।

हिब्रू शब्द वही है, और मैंने आपको यह कई बार बताया है, मूल अर्थ व्यंजन में निहित है। इस मामले में, यह आरएचएम है। और इससे जो संज्ञा ली गई है वह गर्भ शब्द है।

यह शब्द आमतौर पर बहुवचन में आता है। आरएचएम. और अक्सर, अधिक शाब्दिक अनुवाद में, इसका अनुवाद कोमलता, कोमलता होता है।

वह हमारे प्रति कोमल है. हमारे संबंध में निविदा. हाँ? मेरे द्वारा और क्या किया जा सकता है? हाँ।

हाँ। तो पद 10 पर आगे बढ़ें। पहाड़ भले ही हट जाएं, पहाड़ियां हट जाएं, परन्तु मेरी हेस्सैड तुम से न हटेगी।

तुम पर दया करनेवाले यहोवा का यही वचन है, कि मेरी शान्ति की वाचा न मिटेगी। यहाँ यह फिर से है. इन चार श्लोकों में हेषेद और करुणा आती है।

हेस्ड दो बार और करुणा तीन बार आती है। मुझे लगता है कि भगवान एक बात स्पष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। अब, मैं आपसे शांति की इस वाचा को देखने के लिए कहता हूँ।

और चूंकि इस सप्ताह सिस्टर रूथ भी अपना होमवर्क नहीं कर पाई, तो मेरा मानना है कि आपमें से बाकी लोग भी ऐसा नहीं कर पाए। तो, आइए संख्या 25.12 को देखें। फिनीस, जब एक हिब्रू आदमी मिद्यान की एक महिला को, जो बाल पोर की उपासक थी, उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए शिविर में लाया, तो उन दोनों को भाले से जमीन पर गिरा दिया। वह काफी गंभीर कार्रवाई कर रहा है।

और परमेश्वर ने उत्तर दिया और पद 12 में कहा, देख, मैं उसे शालोम की अपनी वाचा देता हूँ। फिर, यह खतरनाक है. मुझे अपना व्यावसायिक ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने जाना पड़ सकता है।

मैंने आपसे इस शब्द के बारे में क्या कहा है जिसका अनुवाद अधिकांश समय शांति के रूप में किया जाता है? इसके पीछे हिब्रू शब्द क्या है? हाल चाल? हाँ, हिब्रू शब्द क्या है? किसी को याद है? शालोम. हां हां। तो फिर, हम केवल संघर्ष की अनुपस्थिति के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, हम संपूर्णता के बारे में बात कर रहे हैं।

तो, उस पर टिके रहें। मैं फिनीस को प्रस्ताव देता हूँ, जो मौलिक रूप से मेरा आज्ञाकारी रहा है, मैं उसे शांति की वाचा प्रदान करता हूँ। अब चलिए ईजेकील 34.25 पर चलते हैं। यशायाह, यिर्मयाह, यहजेकेल।

यदि आप भूल गए हैं. यरूशलेम के पतन के बाद अब ईजेकील वादा कर रहा है कि वे फिर से घर जा रहे हैं। और इसलिए, 34:25 में, श्लोक 24 से शुरू करें।

मैं, यहोवा, उनका परमेश्वर ठहरूंगा। मेरा सेवक दाऊद उनके बीच प्रधान होगा। मैं भगवान हूँ.

मैं बात कर ली है। मैं उन से मेल की वाचा बान्धूंगा, और जंगली पशुओं को देश से निकाल दूंगा, कि वे जंगल में निडर रहें, और जंगल में सो सकें। अब ईजेकील 37:26. मेरे नौकर, चलो 24 से शुरू करें।

मेरा सेवक दाऊद उन पर राजा होगा और उन सब का एक ही चरवाहा होगा। वे मेरे नियमों के अनुसार चलेंगे, और मेरी विधियों के मानने में चौकसी करेंगे। वे उस देश में बसेंगे जो मैं ने अपने दास याकूब को दिया था, जहां तुम्हारे पुरखा रहते थे।

वे और उनके बच्चे और उनके पोते-पोतियां सदैव वहीं रहेंगे। और मेरा सेवक दाऊद सदैव उनका प्रधान रहेगा। मैं उनके साथ मेल की वाचा बान्धूंगा, और वह उनके साथ सदा की वाचा होगी।

ठीक है। तो फिर, आइए नए नियम पर चलते हैं। रोमियों अध्याय 5, पद 1। इसलिये, चूँकि हम विश्वास से धर्मी ठहरे हैं, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ हमारी शान्ति है।

और फिर पद 10 तक। क्योंकि जब हम शत्रु थे, तब उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा हमारा मेल परमेश्वर के साथ हुआ था, तो अब जब हमारा मेल हो गया है तो हम उसके जीवन के कारण और भी अधिक बचेंगे। तो, जब परमेश्वर हमें शांति की वाचा प्रदान करता है तो वह क्या दे रहा है? आश्चर्यजनक।

संपूर्ण और संपूर्ण मेल-मिलाप और शालोम। हां हां। यह सिर्फ युद्धविराम नहीं है.

यह मेल-मिलाप है. इसे हमारे भगवान के साथ लाया जा रहा है। ओह माय, ओह माय.

कैसा वादा है. ठीक है, हम पहले ही प्रश्न 6 के बारे में बात कर चुके हैं। आइए 54, 11 से 17 तक आगे बढ़ें। आपके अनुसार 11 और 12 में दिए गए इस विवरण में कीमती पत्थरों का क्या मतलब है? हे दुःखी, तू तूफ़ान से पीड़ित और जिसे शान्ति न मिली हो, देख, मैं तेरे पत्थरों को सुरमे में जड़ूंगा, और तेरी नेव नीलमणि से रखूंगा।

मैं तुम्हारे शिखर सुलेमानी पत्थर के, तुम्हारे द्वार कार्बुनकल के, और तुम्हारी सारी दीवारें बहुमूल्य पत्थरों की बनाऊंगा। इसका क्या मतलब है? ठीक है, पुजारी ने जो छाती का टुकड़ा पहना था उस पर 12 कीमती गहने थे और कंधे के टुकड़े पर भी ये गहने थे। ठीक है ठीक है।

इसका क्या महत्व है? उन्हें आभूषणों के रूप में क्यों वर्णित करें? सुंदरता? कीमत? धैर्य? यह इजराइल के 12 काल का प्रतिनिधित्व करता है और वास्तव में यहां का मंदिर महान मसीहाई स्थान का केंद्र बनने जा रहा है। उह-हह, उह-हह। यह पहले से भी बेहतर होगा।

पहले से कहीं ज्यादा बेहतर। हां हां। यह निश्चित रूप से यह व्यक्त करने का एक तरीका है कि वे उसके लिए कितने मूल्यवान हैं।

यह शहर कितना स्थायी है और आपने देखा है कि हम वहां नहीं जाएंगे, लेकिन जो संदर्भ मैंने आपको प्रकाशितवाक्य में दिया था, वही बात इस शहर के स्वर्ग से उतरने का वर्णन करती है और स्पष्ट रूप से जॉन द रेवलेटर यशायाह को पढ़ रहा है। उसी तरह की तस्वीर बताती है कि हम भगवान के लिए कितने अनमोल हैं। हम उसके लिए कितने महंगे हैं और वह हमें कितना महत्व देता है।

और फिर श्लोक 13 और 14 में वह भाषण के उस प्रकार से बात करने के लिए आगे बढ़ता है, मैं वास्तव में एक ही चीज़ के बारे में सोचता हूं लेकिन अलग-अलग शब्दों में। वह वहां 13 और 14 में क्या कह रहा है? कोई भी उन्हें चोट नहीं पहुँचाएगा। विशेषकर 14 में लोगों का बहुमूल्य गुण क्या होगा? धर्म में स्थापित।

एक सुंदर सेटिंग में जड़े हीरे की तरह, आप धार्मिकता में स्थापित होंगे। निःसंदेह, इस संपूर्ण प्रश्न पर सुधार के लिए यह संपूर्ण संघर्ष है। और कई मायनों में, हम आज भी संयुक्त राज्य अमेरिका में इंजील धर्मशास्त्र में इससे निपट रहे हैं।

हम पुस्तक के अंतिम भाग तक इसके बारे में फिर से बात करेंगे। और लूथर ने कहा कि मैं नहीं कर सकता। जॉन वेस्ले ने कहा कि मैं नहीं कर सकता।

मैं यथासंभव प्रयास करता हूं। वह सब कुछ करें जो मैं करना जानता हूं और अंत में, मुझे कहना होगा कि नहीं, मैं असफल हो गया हूं।

इसलिए लूथर के लिए, यह एक महान खोज थी जब उसने नए नियम के लेखकों विशेषकर पॉल को यह कहते हुए पाया कि आपको मसीह के माध्यम से धर्मी गिना जा सकता है। लूथर के लिए वह कितना अमूल्य सत्य था। ओह भगवान का शुक्र है।

मैं वह बनने के लिए यह संघर्ष छोड़ सकता हूं जो मैं नहीं बन सकता। मैं बस यह जान सकता हूं कि मसीह में मैं धार्मिकता में स्थापित हूं। वेस्ले के लिए भी यह सच था।

लेकिन वेस्ली को कुछ ऐसा समझ आया जो लूथर से चूक गया। और वह यह है कि मैं न केवल मसीह के माध्यम से धर्मी गिना जा सकता हूं, मैं मसीह के माध्यम से धर्मी बनने में सक्षम हूं। वास्तविक अर्थों में, वास्तविक अर्थों में सुधार को पूरा करने में जॉन वेस्ली को लग गया।

और दुर्भाग्य से आज उत्तरी अमेरिकी ईसाई धर्म प्रचार में बहुत बड़े पैमाने पर हमने यह दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु खो दिया है। इसलिए, मैं मसीह के माध्यम से धर्मी गिना गया हूँ इसलिए आप मुझसे कुछ भी उम्मीद नहीं कर सकते। बेशक, मैं अपने आयकर पर झूठ बोलूंगा।

निःसंदेह, मैं अपनी पत्नी को धोखा दूँगा। मेरा मतलब है कि मैं सिर्फ इंसान हूँ। और परमेश्वर का धन्यवाद है कि मैं मसीह के द्वारा धर्मी गिना गया हूँ।

और जॉर्ज बार्ना का कहना है कि खोए हुए लोगों की जीवनशैली और दोबारा जन्मे लोगों की जीवनशैली में कोई अंतर नहीं है। और मैं कहता हूँ कि यह एक भयानक, भयानक चीज़ है। क्या धार्मिकता भी ईश्वर के साथ सही स्थिति में नहीं है? तो, संपूर्ण विचार यह है कि यह धार्मिकता केवल जीवित रिश्ते में ही मौजूद हो सकती है।

हाँ, मुझे लगता है कि यह सच है। हालाँकि जज वाली बात इतनी प्रभावशाली है कि जज जिस छवि के बारे में घोषणा करता है कि आपकी स्थिति सही है। वह बस इसकी घोषणा करता है।

और वही जो है। लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह पति है, अगर वह उद्धारक है, अगर वह निर्माता है, अगर वह ये सभी अन्य चीज़ें हैं तो आप पूरी तरह से सही हैं, तो बात समझ से परे है। सही रिश्ते के बिना सही स्थिति असंभव है।

और एक सही रिश्ता है जीना। परन्तु धार्मिकता की वह महान, महान पंक्ति तुम स्थापित हो जाओगे। हीरे को सेटिंग में स्थापित किया गया है।

ये हम हैं। ठीक है, हमें आगे बढ़ना होगा। आइए यहां देखें।

हाँ हम करते हैं। ठीक है। अब यह बात यहां अनुवादों में थोड़ा-बहुत चलन में आ जाती है।

यदि आप श्लोक 17 को देखें, तो आपके विरुद्ध बनाया गया कोई भी हथियार सफल नहीं होगा। तू हर उस जीभ को चुप कर देगा जो न्याय करते समय तेरे विरुद्ध उठेगी। यह प्रभु के सेवकों की विरासत है।

अब, आपके अनुवाद इस अंतिम वाक्य से क्या कहते हैं? मेरी ओर से उनका समर्थन। क्या किसी के पास कुछ अलग है? और उनकी धार्मिकता मेरी ओर से है। वास्तविक शब्द धार्मिकता है।

अब यहां जो चल रहा है वह 49 से 55 तक कई स्थानों पर है, क्षमा करें, 40 से 55 तक, जिस धार्मिकता के बारे में बात की गई है वह भगवान की धार्मिकता है और उन्हें वितरित करना उनकी धार्मिकता है। भगवान उनके लिए सही काम करेंगे और वह है उन्हें छुटकारा दिलाना। उन्हें बन्दी बनाना ही उसके लिये उचित था।

लेकिन इस भगवान के लिए उन्हें वहां छोड़ना ठीक नहीं होगा। यह भगवान मुक्तिदाता है। और इसलिए इस अनुभाग के माध्यम से बार-बार।

इसलिए, यदि आप उस श्लोक को देखें, तो यह प्रभु के सेवकों की विरासत और उनकी धार्मिकता है, अर्थात् उनका उद्धार है, जो मुझसे आता है। लेकिन जब आप पुष्टि कहते हैं, तो आप उस पूरे गुण को भूल जाते हैं कि ईश्वर हमारे लिए सही काम करता है और हमसे अपेक्षा करता है कि हम बदले में सही तरीके से जिएं। लेकिन जब आप इसे केवल पुष्टि के रूप में अनुवादित करते हैं, तो आप उस पूरे स्वाद को खो देते हैं।

यह प्रभु के सेवकों का भाग और मेरी ओर से उनका धर्म है। और मैं वहां जो कह रहा हूं वह यह है कि यह शब्द दोतरफा है। वह धार्मिकता क्या है जो परमेश्वर उन्हें देता है? यह मुक्ति है।

परन्तु परमेश्वर उन्हें जो धार्मिकता देता है वह जीवन जीने का एक नया तरीका भी है। और जब आप इसका अनुवाद केवल पुष्टि के रूप में करते हैं, तो आप इसके इस पक्ष को भूल जाते हैं। भगवान मुझे सही ठहराएंगे।

ओह गुडी, यह बहुत अच्छा है। अब मैं नर्क की तरह जी सकता हूं और इससे उसे कुछ और बार मुझे सही साबित करने का मौका मिलेगा। हां, हां।

जीत इस मायने में बहुत अच्छी है कि कम से कम यह दुश्मन से मुक्ति की जीत और जीवन जीने के नए तरीके की जीत को खुला छोड़ देती है। हाँ। आपके पास कौन सा संस्करण है? ठीक है।

ठीक है, अच्छा. ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। अध्याय 55.

ऐसा क्या है कि भगवान उन्हें आने और मुफ्त में पाने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं? मुक्ति, हाँ. आइए पहले अधिक शाब्दिक बनें। जीविका.

शराब, दूध, रोटी. मेरी बात ध्यान से सुनो और जो अच्छा है वही खाओ। गरिष्ठ भोजन का आनंद उठाएँ।

अब फिर से ये लोग गुलामी में हैं. लगभग निर्विवाद रूप से वे गरीबी में रहे हैं। और इसलिए, भगवान उन्हें आने और धन पाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

निःसंदेह यह कोई संयोग नहीं है कि यीशु ने अंतिम भोज में शराब और रोटी का उपयोग किया था। जीवन के लिए मूल बातें. ऐसी स्थिति में जहां अधिकांश पानी दूषित था, शराब को मुख्य रूप से नशे के रूप में नहीं पिया जाता था।

इसे बस जीवन के तरल पदार्थ के रूप में पिया जाता था। तो, वह कह रहा है, मैं तुम्हें जीवन की बुनियादी बातें प्रदान कर रहा हूं। यही कारण है कि कोक और डोनट्स के साथ सामंजस्य स्थापित करना काम नहीं करता है।

अब यह कुछ लोगों के लिए बुनियादी बात है, लेकिन सामान्य तौर पर नहीं। मुद्दा यह है कि, यही मूल बातें हैं। और वह यही पेशकश करता है।

अब वह कहता है, यहाँ पद 3 में फिर से यह शाश्वत वाचा की भाषा है। यदि आप ध्यान से सुन रहे थे, तो आपने इसे यहजेकेल में उठाया था। और वह इस वाचा की तुलना दाऊद के साथ की वाचा से करता है। फिर, यदि आप यहजेकेल में ध्यान से सुन रहे थे, तो आपने वहाँ वह नोट सुना।

दाऊद के साथ वाचा कब तक है? सदैव, शाश्वत. और उसी रीति से वह उन्हें अनन्त वाचा भी देता है। और पद 3 के अंत में जो भाषा है, वह हिब्रू है, जिसका अनुवाद करना बहुत कठिन है।

क्योंकि यह दाऊद का और अनन्त काल का हेसेड है। उसी प्रकार का संकोच मैंने डेविड को भी दिखाया है। एक चिरस्थायी हिचकिचाहट जो मैं तुम्हें दिखाने जा रहा हूँ।

तो, यहाँ यह विषय फिर से है। मेरा गुस्सा अस्थायी है. मेरी झिझक हमेशा के लिए है.

यह मैं ही हूँ। जॉन ने बिलकुल सही कहा. और जब उन्होंने अपना पत्र लिखा तो उनके मन में कोई नया विचार नहीं आया।

वह समझ रहा है कि पुराना नियम हमें क्या सिखाता है। अब पद 4 में दाऊद का क्या कार्य था? एक गवाह और एक नेता. अब वह कहता है, मैं तुम्हें वैसी ही वाचा देता हूँ जैसी मैं ने दाऊद को दी थी।

परमेश्वर के लोगों के लिए इसका क्या अर्थ है? हमने पहले गवाहों के बारे में बात की है। उन्हें क्या करने और उसके गवाह बनने के लिए बुलाया गया था? अपने आस-पास के सभी लोगों से बिल्कुल अलग। उनका जीवन इस बात का प्रमाण बनना था कि वह अकेले ही ईश्वर हैं।

वहाँ कोई और नहीं है। लब्बोलुआब यह है, हाँ. हाँ।

और फिर वे नेता होंगे. और श्लोक 5 हमें बताता है कि नेतृत्व कैसे करें? नेतृत्व क्या? उन राष्ट्रों का नेतृत्व करना जिन्हें आप नहीं जानते। जो राष्ट्र तुम्हें नहीं जानता, वह तुम्हारे पास दौड़ेगा।

क्यों? खींचने की शक्ति के कारण. तेरा परमेश्वर यहोवा, इस्राएल का पवित्र, और उस ने क्या किया है? उसने तुम्हें क्या दिया है? वैभव। वैभव।

फिर, मुझे आशा है कि मैंने तुम्हें कुछ सिखाया है। पुराने नियम में महिमा दृढ़ता है। यह महत्वपूर्ण है.

यह हकीकत है. यह क्षणभंगुर सूर्यास्त नहीं है। आप परमेश्वर की महिमा में भागते हैं, आप एक ईंट की दीवार में भागते हैं।

लोग तम्बू में नहीं जा सके क्योंकि यहोवा का तेज उसमें भर गया था। और भगवान कहते हैं कि मैं अपनी महिमा तुम्हारे साथ साझा करना चाहता हूँ। यीशु, अपनी महायाजकीय प्रार्थना में कहते हैं, हे पिता, मैंने उनके साथ वह महिमा साझा की है जो आपने और मैंने दुनिया की नींव से पहले साझा की थी।

भगवान हमारे साथ क्या करना चाहता है? वह हमें वास्तविक बनाना चाहता है। राष्ट्र का? हाँ, मुझे लगता है कि यह अधिक सामान्य है। मुझे लगता है कि यह उन सभी के लिए खड़े राष्ट्र का विचार है।

और यदि आप अध्याय 2, श्लोक 1 से 5 तक वापस जाते हैं, तो याद रखें कि यही वही बात है जिसकी भविष्यवाणी वहाँ की गई थी। आइए वापस जाएं और इसे देखें। पद 2. अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि यहोवा के भवन का पर्वत सब पहाड़ों पर दृढ़ किया जाएगा, और सब पहाड़ियों से अधिक ऊँचा किया जाएगा, और सब जातियाँ उसकी ओर प्रवाहित होंगी।

बहुत सी जातियाँ आकर कहेंगी, आओ हम यहोवा के पर्वत पर चढ़कर, याकूब के परमेश्वर के भवन में जाएं, कि वह हमें अपने मार्ग सिखाए, और हम उसके पथों पर चल सकें। क्योंकि सियोन से व्यवस्था और यरूशलेम से यहोवा का वचन निकलेगा। यह रहा।

और आपकी वास्तविकता लोगों को आपकी ओर आकर्षित करने वाली है। इसीलिए, कई मायनों में, ईसाई धर्म की सबसे बड़ी त्रासदी तब होती है जब हम सीखते हैं कि नाटक अभिनेता कैसे बनें। मैं दृश्य पर हाल की चीज़ों और दर्शकों में खड़े लोगों की छवि अपने दिमाग से नहीं निकाल पा रहा हूँ।

हाँ। हाँ। अक्सर, हम भूमिका निभाना सीखते हैं क्योंकि वास्तविकता को जीने की तुलना में यह आसान और सस्ता है।

मैंने 40 वर्षों से सेमिनरी के छात्रों से कहा है, सेमिनरी आपकी आत्मा के लिए आपके जीवन का सबसे खतरनाक अनुभव हो सकता है क्योंकि आप सीखते हैं कि आध्यात्मिक हुए बिना आध्यात्मिक कैसे दिखना है। आप प्रार्थना करना सीखें। आप सीखिए कि उपदेश कैसे दिया जाता है।

आप सीखते हैं कि ये चीज़ें कैसे करनी हैं, और यह सब सतही है। आप सीख जाते हैं कि ईश्वर के बारे में कैसे बात करनी है, और आप उससे बात करना बंद कर देते हैं। अब, क्या मैं मदरसा के खिलाफ हूँ? नहीं।

यह 40 वर्षों से मेरा रैकेट है। लेकिन यह जानलेवा हो सकता है, और ईसाई जीवन में भी ऐसा ही है। हम सीखते हैं कि सही चेहरा कैसे लगाया जाए।

अब, कभी-कभी लोग कहते हैं, ओह, ठीक है, मैं आपसे अधिक पवित्र नहीं होना चाहता। मैं वास्तव में तुमसे अधिक अपवित्र हूँ। यह भी हकीकत नहीं है।

लेकिन हमारे जीवन को प्रभावित करने वाली उसकी महिमा की वास्तविकता जानने के लिए आपको और मुझे कौन सी कीमत चुकानी पड़ेगी? खैर, मुझे लगता है कि यह आगे यहीं आता है। श्लोक छह. जब वह पाया जा सकता है और जब वह निकट है तो इसका क्या मतलब है? आपको उसकी ओर एक कदम बढ़ाना होगा।

और क्या? यह सही है। एक क्षण आता है जब उसे पाया जा सकता है। एक क्षण है जब वह निकट है।

इसे मत चूकिए. इसे मत चूकिए. मुझे नहीं पता कि यह सच्ची कहानी है या नहीं, लेकिन कहानी यह बताई गई है कि जब एरोन बूर फिलिप्स एंडोवर कॉलेज में छात्र थे, तो उन्होंने इसे बुलाया, यह एक हाई स्कूल, अकादमी थी, उनका पुनरुद्धार हुआ।

वह 17 साल का था. और यह पूरे स्कूल में आत्मा का एक आंदोलन था। और परमेश्वर उसे दोषी ठहरा रहा था।

और उसने कहा, हे भगवान, यदि तू मुझे जाने देगा, तो मैं फिर कभी तेरा नाम नहीं लूंगा। और कहानी के अनुसार, उसे अपने जीवन में फिर कभी दृढ़ विश्वास की भावना महसूस नहीं हुई। मुझे नहीं पता कि वह कहानी सच है या नहीं, लेकिन यह सच है।

ऐसे क्षण होते हैं जब ईश्वर बहुत निकट होता है। और उन पलों में हमें उन्हें चूकना नहीं चाहिए। हाँ? क्या ऐसा होगा कि ईश्वर हमेशा निकट है, लेकिन हमें इसका एहसास नहीं है? हाँ, मुझे लगता है कि यह सच है।

मुझे लगता है कि यह सच है. मैं अक्सर, फिर से, छात्रों से बात करता हूँ, अब उतना नहीं, लेकिन ऐसा होता था कि छात्र वास्तव में संवेदनशील होते थे। और वे आकर कहते थे, मुझे डर है कि मैं ने अक्षम्य पाप किया है।

और मैं कहता हूँ, यदि आप डरते हैं कि आपके पास है, तो आपने ऐसा नहीं किया है। क्योंकि अक्षम्य पाप तब होता है जब हम अपने रिसीवर को तोड़ देते हैं और भगवान की कृपा नहीं सुन पाते। अभी, इस कमरे में संगीत है, बातचीत हो रही है, हर तरह की चीज़ें हैं, लेकिन हम उसे सुन नहीं सकते।

क्यों? क्योंकि हमारे दिमाग में रेडियो रिसीवर नहीं हैं। यदि हमने ऐसा किया, तो हम इसे सुलझाने की कोशिश में पागल हो जाएंगे। लेकिन ऐसा ही होता है।

जैसा कि इब्रानियों का कहना है, यदि आप मसीह के लिए उत्कट रहे हैं, और एक दिन ऐसा आता है जब आप कहते हैं, ओह, यह सब बकवास का एक समूह था, इससे कोई लेना-देना नहीं है। आपने उसे फिर से क्रूस पर चढ़ाया है, और वास्तव में, आपने अपने रिसीवर को तोड़ दिया है। अब आप इसे नहीं सुन सकते.

हाँ, मैं 1971 में चैरोकी, आयोवा में चैरोकी मेंटल इंस्टीट्यूट में था, जो उन पादरियों के लिए एक सेमिनार था, जिनसे मेरी मुलाकात शिकागो के नॉर्थ पार्क कॉलेज में हुई थी। यह एक इंग्लिश अनुबंध महाविद्यालय है। और वह मुझसे कह रहा था, 1951, तुम्हें पता है, आत्मा असबरी से निकली और स्कूल गई।

और यह नॉर्थ पार्क तक आ गया। और उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल वैसा ही है, आप पवित्र आत्मा को छात्रावासों से गुजरते हुए देख सकते हैं, आप जानते हैं। यह बिल्कुल, लगभग दिखाई देने जैसा था।

और वह किसके दरवाजे पर आया, अंदाज़ा लगाओ कौन? उनके पिता एक पादरी थे। ह्यू हेकर, आप जानते हैं, प्लेबुक के संपादक। और उन्होंने इसे पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया, और, आप जानते हैं, इससे दूर हो गए।

और उन्हें वह मौका 1951 में मिला था। मेरा मतलब है, आप जानते हैं, यह वास्तव में आपको सोचने पर मजबूर कर देता है। यह निश्चित रूप से होता है।

अब, वे कहते हैं, मेरे विचार आपके विचार नहीं हैं, न ही आपके तरीके मेरे तरीके हैं। इसका क्या मतलब है? आप सीमित हैं। ठीक है, हम सीमित मनुष्य हैं, इसलिए हमारे विचार सीमित हैं और उनके विचार असीमित हैं।

और क्या? हाँ। यहां तक कि हमारे सबसे नेक विचार भी उनके आस-पास भी नहीं हैं। सीएस लुईस जो कहते हैं वह मुझे पसंद है।

वह कहते हैं, कि जब हम आखिरकार प्यार से मिलेंगे, तो हमें पता चलेगा कि प्यार के लिए हमारी अवधारणाएँ और शब्द कितने अपर्याप्त हैं। हाँ, हम हेसेड नहीं कर सकते। हम हेस्ड नहीं कर सकते।

कम से कम बहुत अच्छा तो नहीं। हालाँकि, मुझे वहां थोड़ा सा बैकअप लेना होगा। मत्ती 5 में यीशु कहते हैं, तुम्हें पूर्ण होना चाहिए जैसे ईश्वर पूर्ण है।

और वह स्पष्ट रूप से वहां प्यार के बारे में बात कर रहा है। मुझे एक क्षण के लिए यहां विषयांतर करने दीजिए। डटे रहो।

वह कहता है, यदि तुम उन से प्रेम करते हो जो तुम से प्रेम रखते हैं, तो तुम महसूल लेनेवाले से किस प्रकार भिन्न हो? यदि आप उनसे प्यार करते हैं जो पहले आपसे प्यार करते हैं, तो आप दुनिया में किसी से भी अलग कैसे हैं? लेकिन भगवान, उसका प्रेम अपने आप में पूर्ण है। इसे शुरू करने के लिए उसे हमारे प्यार की ज़रूरत नहीं है और इसे जारी रखने के लिए उसे हमारे प्यार की ज़रूरत नहीं है। और फिर वह कहता है, तुम्हें परिपूर्ण होना चाहिए जैसे तुम्हारा स्वर्गीय पिता परिपूर्ण है।

उस प्रसंग को देखने से वास्तव में मुझे मदद मिली। ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे हम ईश्वर की तरह पूर्णतः परिपूर्ण हो सकें। लेकिन यीशु कह रहे हैं कि आप और मैं एक ही तरह का प्यार रख सकते हैं।

समान गुणवत्ता नहीं, समान शक्ति नहीं, लेकिन हम उसी प्रकार का प्रेम रख सकते हैं जैसा आत्मा हमें सक्षम बनाता है। हम उन लोगों से प्यार कर सकते हैं जो हमसे प्यार नहीं करते। और हम उन लोगों से प्यार करना जारी रख सकते हैं जो हमसे प्यार नहीं करते।

उस हद तक, हाँ, मुझे लगता है कि हम हेसेड कर सकते हैं। परंतु, निश्चित रूप से, उस मात्रा के साथ नहीं जो ईश्वर करता है। ठीक है।

मैं आपको सुझाव दूंगा कि ईश्वर की मुक्ति का मार्ग अनुग्रह है। हमारी मुक्ति का तरीका कमाई है। मैं जीवन भर मेथोडिस्ट रहा हूँ।

पांचवीं पीढ़ी मेथोडिस्ट। मेनोनाइट हुआ करते थे, लेकिन उन्होंने प्रकाश देखा। मुझे कहना होगा, जिन मेथोडिस्टों को मैं जानता हूँ उनमें से अधिकांश स्वर्ग की ओर जाने का प्रयास कर रहे हैं।

वे भगवान के लिए काफी अच्छा बनने की कोशिश कर रहे हैं। वे अच्छे लोग हैं। वे सचमुच अच्छे लोग हैं।

लेकिन विचार यह है कि ईश्वर की स्वीकृति अर्जित करने के लिए मैं कुछ नहीं कर सकता। केवल एक चीज जो मैं कर सकता हूँ वह यह है कि नौकर मुझे जो प्रदान करता है उसे प्राप्त कर लूँ। यहाँ, मेरे टूटे हुए, लहलुहान शरीर को ले जाओ और इसे अपने स्थान पर पापबलि के रूप में पिता को अर्पित करो।

मुझे किसी पापबलि की आवश्यकता नहीं है। मुझे रक्त धर्मशास्त्र की किसी बाल्टी की आवश्यकता नहीं है। मैं एक अच्छा आदमी हूँ।

मैं हमेशा एक अच्छा इंसान रहा हूँ। मेरी पत्नी को धोखा मत दो. मेरे बिलों का भुगतान।

कभी किसी की हत्या नहीं की। पापबलि के बारे में यह क्या बात है? मुझे उसकी जरूरत नहीं है। मेरे रास्ते तुम्हारे रास्ते नहीं हैं।

मेरे विचार आपके विचार नहीं हैं। परन्तु जैसे वर्षा और हिम स्वर्ग से गिरते हैं, और वहीं लौट नहीं जाते, वरन पृथ्वी को सींचकर उपजाते और उपजाते हैं, और बोनेवाले को बीज और खानेवाले को रोटी देते हैं, उसी प्रकार मेरा वचन भी मेरे मुँह से निकलेगा। . यह मेरे पास खाली नहीं लौटेगा।

यह मेरा उद्देश्य पूरा करेगा और जिस काम के लिए मैंने इसे भेजा है उसमें सफल होगा। आप में से एक या दो लोगों ने कुछ हफ्ते पहले मुझे एक लंबी, लंबी पुस्तक समीक्षा करते हुए सुना था। अनब्रोकन नामक एक महान पुस्तक।

पिछली बार मुझे इससे निपटने में डेढ़ घंटा लग गया था। इस बार मैं इसे डेढ़ मिनट में कर दूँगा। लुई ज़म्परिनी, एक धावक, 1936 में एक ओलंपिक धावक।

युद्ध में, प्रशांत महासागर के ऊपर गोली मार दी गई। दूसरे आदमी के साथ बिताए 47 दिन उनमें से तीन थे।

आखिरकार तीसरे की मौत हो गई। फिर आखिरकार पकड़ लिया गया, और रूसी, जापानी जेल शिविर में ले जाया गया। भयानक, भयानक दुर्व्यवहार किया गया।

एक विशेष व्यक्ति ने उसे चुना क्योंकि यह ज्ञात था कि वह कौन था। जापानी ट्रैक के बहुत बड़े प्रशंसक थे, और इसलिए वे इस आदमी के बारे में जानते थे। यह रक्षक उसे तोड़ने के लिए कृतसंकल्प था, और वह ऐसा नहीं कर सका।

अंततः युद्ध के अंत में उसे आज़ाद कर दिया गया, वह वापस आया और बर्बाद हो गया। पूर्ण विनाश। फ्लैशबैक, बुरे सपने।

एक रात अपनी पत्नी को फर्श पर लिटा कर उसका गला घोटने की कोशिश करते हुए उठा, यह सोचकर कि वह गार्ड है, और 1949 में लॉस एंजिल्स में एक तम्बू बैठक में गया। एक बड़ा, लंबा उत्तरी कैरोलिनियन लड़का उपदेश दे रहा था। ग्राहम नाम का एक साथी।

और लुई ज़म्परिनी ने अपना हृदय प्रभु को दे दिया और वह बदल गया। मेरा वचन अपना उद्देश्य पूरा करेगा जिसके लिये मैंने उसे भेजा है। भगवान का शुक्र है, भगवान का शुक्र है।

आप खुशी से बाहर जायेंगे और शांति से आगे बढ़ाये जायेंगे। तुम्हारे सामने के पहाड़ और पहाड़ियाँ गाते हुए आगे बढ़ेंगी। मैदान के सब वृक्ष ताली बजाएंगे।

इसके बजाय, काँटा सरू के ऊपर निकलेगा। इसके बजाय, जंगली सूअर मर्तल के ऊपर आ जाएगा। यह प्रभु के लिए एक नाम बनाएगा, एक चिरस्थायी चिन्ह जो काटा नहीं जाएगा।

मैं यहां प्रश्न पूछूंगा, और चूंकि हमारा समय चला गया है, इसलिए मैं इसका उत्तर दूंगा। हमारे उद्धार के बारे में ऐसा क्या है जो प्रभु के नाम को एक चिरस्थायी चिन्ह बनाता है? हाँ, हम इस बात का प्रमाण हैं कि वह ईश्वर है। हमारा छुटकारा पाया हुआ जीवन इस बात का संकेत है कि वह परमेश्वर है।

वाह, भगवान हम जैसे लोगों पर अपनी शाश्वत प्रतिष्ठा लटकाने को तैयार है। चुट्ज़पाह के बारे में बात करें, वह चुट्ज़पाह है। लेकिन वह करता है, वह करता है।

वह यहोवा के लिये नाम बनाएगा, और वह सदा का चिन्ह ठहरेगा, जो कभी न मिटेगा। तथास्तु।

चलिए प्रार्थना करते हैं। हे प्रभु, आपका धन्यवाद, कि आपने अपना एकलौता पुत्र भेजा है, और उसके द्वारा हम छुटकारा पा सकते हैं। स्वयं से छुटकारा पाया, हमारे पापों से छुटकारा पाया, हमारे पाखंड से छुटकारा पाया, छुटकारा पाया, हे भगवान, इस दुनिया में अपनी महिमा साझा करने के लिए। ओह, जब हम इसमें कमी महसूस करें तो हमें माफ़ कर दीजिए, लेकिन यह

दिखाने के लिए कि आप वास्तव में कौन हैं, आप हमारे लिए जो कुछ भी करते हैं उसके लिए धन्यवाद।

आपकी स्तुति करो, आपके नाम पर, आमीन। तथास्तु।